अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-II

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2022 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-I, Hindi (2022 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
II	Major (Mandatory)	PAHN121	सामान्य स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (जायसी, बिहारी और भूषण)	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN122	विशेष स्तर : हिंदी नाटक और रंगमंच	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN123	विशेष स्तर : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN124	विशेष स्तर : विशेष विधा : हिंदी उपन्यास	Theory	04
			Total Credits Semester-II		**16**

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – II

सामान्य स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य
(जायसी, बिहारी और भूषण)
PAPER CODE : PAHN121
(2022-2023)
(2022 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** PAHN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** II
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**: सामान्य स्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी तथा भूषण)**
Course Code	**:** PAHN 121
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी के भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना।
2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना ।
3. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना ।
4. मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत कराना।
5. मध्ययुगीन काव्य के प्रति रुचि निर्माण करना।
6. मध्ययुगीन काव्य के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी देना।
7. मध्ययुगीन भाषा और अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचय करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढ़कर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होगी।

CO2-मध्ययुगीन कवियों की भाषा का परिचय होगा।

CO3-साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होगी।

CO4-मध्ययुगीन संस्कृति का परिचय होगा।

CO5-सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से परिचित होगें।

CO6-मध्ययुगीन काव्य के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होगें।

CO7-मध्ययुगीन भाषा और अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचित होगें।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अध्ययन यात्रा ।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर
मध्ययुगीन हिंदी काव्य
(जायसी, बिहारी तथा भूषण)
PAPER CODE : PAHN 121

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

शैक्षिक वर्ष : [2022-23 से]

पाठ्यपुस्तकें :

1) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी (तासिकाएँ 11 घंटे)

संपादक : वासुदेवशरण अग्रवाल
प्रकाशक – साहित्य सदन,चिरगाँव झाँसी

1. मानसरोदक खंड – पदक्रम – 50,60,61,62
2. नखशिख खंड – पदक्रम – 99,100,101,102
3. नागमती वियोग खंड – पदक्रम – 341 से 344

2) बिहारी रत्नाकर : श्री. जगन्नाथ 'रत्नाकर' (तासिकाएँ 11 घंटे)

प्रकाशक : प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. – 2006
ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहे : 1, 22, 25, 32, 38, 46, 67, 73, 76, 94, 121, 192, 201, 251, 277, 283 301, 318, 373, 388, 472, 588, 660, 663, 710

3) रीतिकाव्य धारा : संपादक : डॉ.रामचंद्र तिवारी/ डॉ.रामनरेश त्रिपाठी (तासिकाएँ 11 घंटे)

प्रकाशक : विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी
ससंदर्भ व्याख्या : कवि भूषण के पद : 01 से 10 पद = 10

(तीनों की कुल तासिकाएँ 11+11+08=30घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–02)

अध्ययनार्थ कवि :

1) जायसी 2) बिहारी 3) भूषण

अध्ययनार्थ विषय : (तासिकाएँ 10 घंटे)

1. जायसी – व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. पद्मावत में प्रेम भाव
3. पद्मावत के काव्य में वियोग वर्णन
4. पद्मावत में सौंदर्य वर्णन
5. पद्मावत में प्रकृति चित्रण
6. पद्मावत में चरित्र–चित्रण
7) पद्मावत की महाकाव्यात्मकता
8) पद्मावत की ऐतिहासिकता
9) बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व

10) रीतिसिद्ध कवि बिहारी
11) बिहारी का श्रृंगार वर्णन–संयोग और वियोग वर्णन
12) बिहारी का सौदर्य चित्रण **(तासिकाएँ 10 घंटे)**
13) बिहारी की बहुज्ञता
14) बिहारी की भक्तिभावना
15) बिहारी की काव्य कला
16) सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान

17) भूषण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
18) भूषण के काव्य में वीर रस
19) भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना **(तासिकाएँ 10 घंटे)**
20) भूषण की काव्य कला
21) भूषण के काव्य की भाषा – शैली
22) रीति काव्य में भूषण का योगदान

(तीनों की कुल तासिकाएँ 10+10+10=30घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 02)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/भाषा कौशल/मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्रश्न क्र. 1)	संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2)	लघुत्तरी प्रश्न ¼ 50& 60 शब्दों में ½ (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3)	लघुत्तरी प्रश्न ¼ 100& 120 शब्दों में ½ (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4)	टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5)	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
2. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ. इकबाल अहमद
3. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
4. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
5. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
6. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
7. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल
8. हिंदी के प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9. पद्मावत – वासुदेवशरण अग्रवाल

10. काव्य पराग – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
11. जायसी का पद्मावत – अनुप शर्मा
12. बिहारी का तुलनात्मक अध्ययन – पं. पद्मसिंह शर्मा
13. बिहारी और उनका साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री
14. बिहारी काव्य का मूल्यांकन – किशोरी लाल
15. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
16. संक्षिप्त भूषण – डॉ. भगवानदास तिवारी
17. भूषण ग्रंथावली – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN121

Tittle of Course : मध्ययुगीन हिंदी काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2					2	3			
CO 3					1	3			
CO 4		3							
CO 5		3	3						
CO 6								2	
CO 7						2			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO4-मध्ययुगीन संस्कृति का परिचय होगा।
CO5-सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से परिचित होगें।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO5-सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से परिचित होगें।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढ़कर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होगी।
CO2-मध्ययुगीन कवियों की भाषा का परिचय होगा।
CO3-साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढ़कर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होगी।
CO2-मध्ययुगीन कवियों की भाषा का परिचय होगा।
CO3-साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होगी।
CO7-मध्ययुगीन भाषा और अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचित होगें।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6-मध्ययुगीन काव्य के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होगें।

.....

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – II

विशेष स्तर : हिंदी नाटक और रंगमंच

PAPER CODE : PAHN122

(2022-2023)

(2022 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** PAHN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** I I
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**: विशेष स्तर : हिंदी नाटक और रंगमंच**
Course Code	**:** PAHN 122
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकास क्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।
5. नाटक विधा के प्रति रुचि बढ़ना।
6. नाटक विधा में चित्रित विभिन्न समस्याओं की जानकारी देना।
7. नाटक और रंगमंच की जानकारी देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-दैनिक जीवन में औपचारिक–अनौपचारिक अवसरोंपर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होंगी।

CO2-पढ़ी–सुनी रचनाओं को जानना,समझना,अभिव्यक्त करनेमें सहायता मिलेंगी ।

CO3-अपने स्तरानुकूल दृश्य,श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

CO4-साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेंगी।

CO5-छात्रों में नाट्यकला की रुचि निर्माण करके नाट्यकला का विकास होगा।

CO6-रोजगार की दृष्टि से नाटक के तकनीकी पक्ष की समझ होंगी।

CO7-नाटक और रंगमंच की जानकारी होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक् –श्राव्य माध्यमों /साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर :
हिंदी नाटक और रंगमंच
PAPER CODE : PAHN122

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

पाठ्य पुस्तकें:

1. नाटक : 'फन्दी' – शंकर शेष
   प्रकाशक : पराग प्रकाशन ,3/114 कर्ण गली, विश्वासनगर शाहदरा , दिल्ली –32

(तासिकाएँ 15 घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

2. 'आठवा सर्ग'– सुरेंद्र वर्मा
   प्रकाशक :राधाकृष्णप्रकाशन प्रा. लि.
   2/38अंसारी मार्ग,दरियागंज दिल्ली – 3

(तासिकाएँ 15 घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट01)

अध्ययनार्थ विषय:

1. हिंदी नाटक विधा का विकास ।
2. नाटक : परिभाषा,स्वरूप तथा तत्व।
3. शंकर शेष : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. तत्वों के आधार पर'फन्दी' नाटक की समीक्षा।
5. 'फन्दी' मेंचित्रित समस्याएँ।
6. 'फन्दी' : शिल्पगत विशेषताएँ।
7. 'फन्दी' नाटक की प्रासंगिकता।
8. 'फन्दी' : शीर्षक की सार्थकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

9. सुरेंद्र वर्मा: व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
10. तत्वों के आधार पर 'आठवा सर्ग' नाटक की समीक्षा।
11. 'आठवा सर्ग' :चित्रित समस्याएँ।
12. 'आठवा सर्ग': शिल्पगत विशेषताएँ।
13. 'आठवा सर्ग' : शीर्षक की सार्थकता।
14. 'आठवा सर्ग' नाटक की प्रासंगिकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/ क्रेडिट 01)

अंकविभाजन : पूर्णांक 100
अंतर्गतमूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरीपरीक्षा/टेस्ट/भाषाकौशल/मौखिकप्रस्तुति आदि)
सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50– 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100– 120 शब्दों में) (3 मेंसे 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी(3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दिर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव जनेजा
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा
3. समसामयिक हिंदी नाटकों में खंडित व्यक्तित्व अंकन – डॉ. टी. आर. पाटील
4. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
5. हिंदी नाटक : आज–कल – डॉ. जयदेव तनेजा
6. सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक – रमेश गौतम
7. युगबोध और हिंदी नाटक – डॉ. सरिता वशिष्ठ
8. नव्य हिंदी नाटक – डॉ. सावित्री स्वरूप
9. उत्तरशती का हिंदी साहित्य : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
10. साठोत्तरी हिंदी नाटकों में युगचेतना – डॉ.विजया गाढवे
11. दलित नारी विषयक साठोत्तर हिंदी नाटक : डॉ. प्रतिभा जावळे
12. आधुनिक हिंदी नाटक चरित्र के आयाम – डॉ.लक्ष्मी राय

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN122

Tittle of Course : हिंदी नाटक और रंगमंच

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					1	2			
CO 2					2	2			
CO 3					2	3			
CO 4					3	3			
CO 5					3	3			
CO 6					3	3			
CO 7					1	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-दैनिक जीवन में औपचारिक-अनौपचारिक अवसरोंपर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होंगी।
CO2-पढ़ी-सुनी रचनाओं को जानना, समझना, अभिव्यक्त करने में सहायता मिलेंगी ।
CO3-अपने स्तरानुकूल दृश्य, श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होंगी।
CO4-साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेंगी।
CO5-छात्रों में नाट्यकला की रुचि निर्माण करके नाट्यकला का विकास होगा।
CO6-रोजगार की दृष्टि से नाटक के तकनीकी पक्ष की समझ होंगी।
CO7-नाटक और रंगमंच की जानकारी होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-दैनिक जीवन में औपचारिक-अनौपचारिक अवसरोंपर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होंगी।
CO2-पढ़ी-सुनी रचनाओं को जानना, समझना, अभिव्यक्त करने में सहायता मिलेंगी ।
CO3-अपने स्तरानुकूल दृश्य, श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होंगी।
CO4-साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेंगी।
CO5-छात्रों में नाट्यकला की रुचि निर्माण करके नाट्यकला का विकास होगा।
CO6-रोजगार की दृष्टि से नाटक के तकनीकी पक्ष की समझ होंगी।
CO7-नाटक और रंगमंच की जानकारी होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

.....

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – II

विशेष स्तर : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

PAPER CODE : PAHN123

(2022-2023)

(2022 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : PAHN
Class : M. A. - I
Semester : I I
Course Type : Major Mandatory
Course Name : विशेष स्तर :पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
Course Code : PAHN 123
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना ।
2. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना ।
3. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।
4. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान करना ।
5. छात्रों को नई समीक्षा के सिद्धांतो का ज्ञान कराना ।
6. छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना ।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के द्वारा छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

CO2-छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO3-छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO4-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO5-छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान होगा।

CO6-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।

CO7-छात्र आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचित होगें।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग कराना।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 7 : विशेष स्तर :
पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
PAPER CODE : PAHN123

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

अध्ययनार्थ विषयः

1. प्लेटो :
   काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत
2. अरस्तू के काव्य सिद्धांत :
   क) अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।
   ख) विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन, विरेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन ।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक क्रेडिट– 01)

3. उदात्त सिद्धांत :
   उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त कामहत्व, लोंजाइनस का योगदान ।

4. आई. ए. रिचर्डस् का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत :काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा औरस्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, आई. ए. रिचर्डस् का योगदान।

(तासिकाएँ 05 घंटे + तासिकाएँ 10 घंटे = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक क्रेडिट– 01)

5. इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत :इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट का योगदान।

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–01)

6. विविध वाद सामान्य परिचय :
   क) प्रतीकवाद, बिंबवाद, अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद, संरचनावाद,विखंड़नवाद, उत्तरआधुनिकता– (केवल स्वरूप विवेचन तथा महत्व)

(तासिकाएँ 15 घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/ क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100
अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/टयुटोरियल/प्रस्तुतिकरण/क्षेत्रीय अध्ययन/शोध परियोजना आदि)
सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12	
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12	
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)		12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12	
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)		12

संदर्भ ग्रंथ :

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र
2. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरुप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र
7. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतः एक विश्लेषण – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
8. आलोचना के आधुनिकतावाद और नई समीक्षा – डॉ. शिवकरण सिंह
9. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद – सुधीश पचौरी
10. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श– सुधीश पचौरी
11. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार– संपा. देवीशंकर नवीन, सुशांतकुमार मिश्र
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चनसिंह
13. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ. रवींद्रसहाय वर्मा
14. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
15. आधुनिक समीक्षा – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
16. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र – डॉ. विष्णुदत्त राकेश
17. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
19. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
20. साहित्य : विविध वाद – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN123

Tittle of Course : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					3	3			
CO 2					3	3			
CO 3					3	3			
CO 4								3	
CO 5						2			
CO 6						2			
CO 7								3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
CO2-छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित होंगे।
CO3-छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
CO2-छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित होंगे।
CO3-छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
CO5-छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान होगा।

CO6-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO4-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO7-छात्र आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचित होगें।

.....

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – II

विशेष स्तर :

विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

PAPER CODE : PAHN124

(2022-2023)

(2022 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** PAHN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** I I
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**: विशेष स्तर : विशेष विधा : हिंदी उपन्यास**
Course Code	**:** PAHN 124
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
2. हिंदी उपन्यास विधा के विकास की जानकारी देना ।
3. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
4. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
5. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कराना।
6. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
7. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।

CO2-छात्र उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलना करेंगे।

CO3-छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।

CO4-छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।

CO5-हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्र अवगत होंगे।

CO6-उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय होगा।

CO7-छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य साधनों/ माध्यमों का प्रयोग।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. विशेषज्ञों के व्याख्यान।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर :
विशेष विधा : हिंदी उपन्यास
PAPER CODE :PAHN124
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

विशेष अध्ययन के लिए उपन्यासः

1. त्यागपत्र –जैनेंद्रकुमार
   प्रकाशक–पूर्वोदय प्रकाशन, मुंबई — **(तासिकाएँ 10 घंटे**

2. मुक्तिपर्व–मोहनदास नैमिशराय — **तासिकाएँ 10 घंटे**
   प्रकाशक–अनुराग प्रकाशन, दरियागंज,
   नईदिल्ली

3. फाँस–संजीव — **तासिकाएँ 10 घंटे=30 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–02)**
   प्रकाशक– वाणी प्रकाशन, दरियागंज,
   नई दिल्ली

अध्ययनार्थ विषय :

1. उपन्यास की परिभाषा, स्वरूप तथा उपन्यास के तत्व।
2. हिंदी उपन्यास का विकासक्रम–प्रेमचंदपूर्व उपन्यास, प्रेमचंदयुगीन उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास।
3. हिंदी उपन्यासों की प्रवृत्तियाँ–सामाजिक, तिलस्मी, जासूसी, राजनीतिक, आँचलिक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।

(तासिकाएँ 15 घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट –01)

4. उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन–वर्णनात्मक, डायरी, आत्मकथात्मक, पूर्वदीप्ति, चेतनाप्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, आदि।
5. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यासों का भाव पक्ष तथा कला पक्ष।
7. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण।
8. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यासों का विशेष अध्ययन।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100
अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/टयुटोरियल/प्रस्तुतिकरण/क्षेत्रीय अध्ययन/शोध परियोजना आदि)
सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 मेंसे 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 मेंसे 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 मेंसे 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 मेंसे 1)	12

———————————————

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी का गद्य साहित्य–डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. उपन्यास स्थिति और गति–डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
3. उपन्यास का काव्यशास्त्र–डॉ. बच्चन सिंह
4. उपन्यासः स्वरूप और संवेदना–राजेंद यादव
5. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में चित्रित समाज जीवन–डॉ. विनय चौधरी
6. शिवप्रसाद सिंह का उपन्यास साहित्य –डॉ. राजेन्द्र खैरनार
7. महाकाव्यात्मक उपन्यासों की शिल्पविधि –डॉ. शंकर मुदगल
8. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य–डॉ. राजेंद्र खैरनार
9. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का शिल्पविधान–डॉ. पी. व्ही. कोटमे
10. गिरिराज किशोर का उपन्यास साहित्य एक अनुशीलन–डॉ. सुरेश साळुंके
11. हिंदी साहित्य नए क्षितिज–डॉ. शशिभूषण सिंहल
12. हिंदी उपन्यास समकालीन विमर्श–डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी
13. समकालीन हिंदी उपन्यासः वर्ग एवं वर्ण संघर्ष–डॉ. जालिंदर इंगले
14. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास : नए मूल्य– शशि गुप्ता
15. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र–संपा. नंदकिशोर नवल
16. अंबेडकरवादी चिंतन और दलित उपन्यास : डॉ. प्रदीप सरवदे
17. प्रेमचंद के उपन्यास : कथासंरचना–डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव
18. शिवप्रसाद सिंह के कथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन–डॉ. टी. मीनाकुमारी
19. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन –डॉ. भरत सगरे
20. हिंदी उपन्यास सृजन और सिद्धांत–नरेंद्र कोहली
21. हिंदी उपन्यासों की दिशाएँ–डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
22. गोदानः संवेदना और शिल्प–डॉ. चंद्रशेखर कर्ण
23. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार–डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
24. हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष–डॉ. राजेंद्र खैरनार

———————————————

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN124

Tittle of Course : विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2	3			
CO 2	3								
CO 3	3								
CO 4	3								
CO 5						2			
CO 6								2	
CO 7						3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO2-छात्र उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलना करेंगे।

CO3-छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।

CO4-छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1-छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।

CO5-हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्र अवगत होंगे।

CO7-छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6-उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय होगा।

.....